भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं. +2235

मंगलवार, 01 जनवरी, 2019/11 पौष, 1940 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

विश्व पर्यटन बाजार में भारत की हिस्सेदारी

+2235. डा॰ अशोक बाजपेयीः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का विचार आगामी दो वर्षों के दौरान विश्व पर्यटन बाजार में भारत की भागीदारी को बढ़ाने का है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) इसके परिणामस्वरूप वर्तमान भागीदारी में कितनी वृद्धि होने की संभावना है; और

(ग) उत्तर प्रदेश में सरकार द्वारा पर्यटन की दृष्टि से विकसित किए जाने वाले स्थलों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री के.जे. अल्फोंस)

(क) और (ख) : विदेश स्थित अपने भारत पर्यटन कार्यालयों के माध्यम से पर्यटन मंत्रालय विदेशी मार्किट में सभी प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय यात्रा एवं पर्यटन मेलों तथा प्रदर्शनियों में नियमित भागीदारी करता है । इसमें लंदन में वर्ल्ड ट्रैवल मार्किट (डब्ल्यूटीएम), बर्लिन में इंटरनेशनल टूरिज्मस बोर्स (आईटीबी), मैड्रिड में एफआईटीयूआर आदि शामिल है । इसके अतिरिक्त पर्यटन मंत्रालय देश में पर्यटन के संवर्धन हेतु संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन (यूएनडब्ल्यूटीओ), पैसिफिक एशिया ट्रैवल एसोसिएशन (पाटा), वर्ल्ड ट्रैवल एंड टूरिज्म काउंसिल (डब्ल्यूटीटीसी) आदि सहित विभिन्न बहुपक्षीय पर्यटन मंचों पर सक्रिय भूमिका निभाता है । विभिन्न वैश्विक पर्यटन आयोजनों में भागीदारी मामला दर मामला आधार पर उनकी पात्रता तथा प्रभावशीलता के आधार पर की जाती है ।

(ग) : पर्यटन गंतव्यों का विकास मुख्य रूप से राज्य सरकारों तथा संघ राज्य/ क्षेत्र प्रशासनों की जिम्मेदारी है । तथापि, पर्यटन मंत्रालय देश में पर्यटन अवसंरचना के संवर्धन हेतु स्वदेश दर्शन तथा प्रशाद सहित अपनी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को वित्तीय सहायता देता है । उपरोक्त योजनाओं के तहत उत्तर प्रदेश की राज्य सरकार हेतु स्वीकृत परियोजनाओं की सूची **अनुबंध** में दी गई है ।